ISSN: 2582-7162
शोध-पत्र

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का उनकी व्यवसायिक विषयों पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन

श्रीमती सीमा जोशी[1], डॉ वेद प्रकाश शर्मा[2]

[1]रिसर्च स्कॉलर, महाराज विनायक ग्लोबल विश्वविद्यालय
[2]रिसर्च सुपरवाइजर, महाराज विनायक ग्लोबल विश्वविद्यालय

Corresponding Auther:
श्रीमती सीमा जोशी
रिसर्च स्कॉलर, महाराज विनायक ग्लोबल विश्वविद्यालय
Email : seemajo7716@gmail.com
Received 2022 June 17, Accepted 2022 June 24, Published - 2022 July 07

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का उनकी व्यवसायिक रूचि पर प्रभाव का अध्ययन विद्यालय के प्रकार (सरकारी व गैर सरकारी) व लिंग भेद के आधार पर करना है शोध की प्रकृति सुवैशनात्मक होने के कारण सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है अध्ययन में प्रदतो के संकलन के लिए जयपुर जिले के सांगानेर क्षेत्र से दो सरकारी व गैर सरकारी विद्यालयों को शामिल किया गया है जिसमें कक्षा 9 के 120 विद्यार्थी न्यायादर्श के रूप में चयनित किए गए जिसमें 60 छात्र व 60 छात्राएं निजी व सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत है प्रदतो के संकलन हेतु डॉ हरप्रीत भाटिया और डॉ एनके चड्ढा की पारिवारिक वातावरण मापनी वी.पी.बंसल एवं डॉ एन श्रीवास्तव की शैक्षिक रूचि प्रकट की गई। शोध के प्राप्त परिणामों से ज्ञात हुआ है कि विद्यालय के प्रकार के आधार पर विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का रूचियों पर प्रभाव पड़ता है।

प्रस्तावना

बालक का पारिवारिक वातावरण उसके जीवन के प्रत्येक क्षेत्र को किसी न किसी रूप में प्रभावित करता है। बालक जिस भी प्रकार के पारिवारिक वातावरण में निवास करता है वहां के सदस्यों,व्यवहारों,शिक्षा, व्यवसाय आदि को देखता है और उसी के अनुरूप उसमें ही वैसा ही व्यवहार,शिक्षा, व्यवसाय आदि के प्रति रुचि जागृत होती है।

मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से बालक व्यवसाय रुचियां पर उसके पारिवारिक वातावरण का प्रभाव परिलक्षित होता है क्योंकि बालक की प्रवृत्तियों का प्रकाशन सबसे पहले परिवार में ही होता है। एक उच्च पारिवारिक स्तर से संबंधित बालक की व्यवसायिक रुचियां एक निम्न पारिवारिक स्तर से संबंधित बालक की तुलना में अपेक्षाकृत उच्च होती हैं। उदाहरणार्थ एक चिकित्सक का पुत्र अपने पिता के समान शिक्षा प्राप्त करने व चिकित्सक बनने में रुचि लेता है जबकि एक किसान का बेटा इंजीनियर बनने के बजाय अपने पिता के समान कार्य करने में रुचि लेता है।

शोध का औचित्य

प्रत्येक विद्यार्थी किसी न किसी पारिवारिक वातावरण से संबंधित होता है और वह विशिष्ट पारिवारिक वातावरण किसी न किसी रूप में विद्यार्थियों की शैक्षिक रूचि है व्यवसायिक रुचि को प्रभावित करता है। भिन्न-भिन्न पारिवारिक वातावरण से संबंधित होने के कारण ही विद्यार्थियों की शैक्षिक एवं व्यवसायिक रुचियां या तो भिन्न-भिन्न होती है या समान होती है।

सरकारी व गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थी अलग-अलग पारिवारिक वातावरण से जुड़े होते हैं। अतः वर्तमान परिपेक्ष्य में विभिन्न विद्यालयों में अध्ययनरत होने के कारण तथा भिन्न-भिन्न पारिवारिक वातावरण से संबंधित होने के कारण उनकी शैक्षिक व व्यवसायिक रुचि होती है पारिवारिक वातावरण विद्यार्थियों की शिक्षा को प्रभावित करता हैः इन्हीं शब्दों के अध्ययन हेतु प्रस्तुत समस्या के अध्ययन की आवश्यकता महसूस हुई।

समस्या से उभरने वाले प्रश्न

1. क्या सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का उनकी व्यवसायिक रुचि पर प्रभाव पड़ता है?
2. क्या गैर सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का उनकी व्यवसायिक रूचि पर प्रभाव पड़ता है?
3. क्या गैर सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की व्यवसायिक रूचि में लिंग भेद के आधार पर अंतर पाया जाता है?
4. क्या सरकारी और गैर सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की व्यावसायिक रूचि में अंतर पाया जाता है?

शोध के उद्देश्य

प्रस्तुत शोध के निर्धारित उद्देश्य निम्न है

1. **सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का उनकी व्यवसायिक रूचि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।**
2. **गैर सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का उनकी व्यावसायिक रूचि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।**
3. **सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की व्यवसायिक रूचि का लिंग भेद के आधार पर अध्ययन करना।**
4. **गैर सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की व्यावसायिक रूचि का लिंग भेद के आधार पर अध्ययन करना।**

प्रस्तुत शोध हेतु परिकल्पनाएं

1. **सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का उसकी व्यावसायिक रूचि पर उपयुक्त प्रभाव पड़ता है।**
2. **गैर सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का उनकी व्यवसायिक रूचि पर उपयुक्त प्रभाव पड़ता है।**
3. **सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की व्यावसायिक रूचि में लिंग भेद के आधार पर कोई सार्थक अंतर नहीं है।**
4. **गैर सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की व्यावसायिक रूचि में लिंग भेद के आधार पर कोई सार्थक अंतर नहीं है।**
5. **सरकारी और गैर सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की व्यावसायिक रूचि में कोई सार्थक अंतर नहीं है।**

प्रदतो के विश्लेषण

शोध कार्य में शोधकर्ती द्वारा प्राप्त प्रदतों के लिए निम्न सांख्यिकी का प्रयोग किया गया है-

1.मध्यमान

2.प्रमाणिक विचलन या मानक विचलन

3.टी अनुपात

4.सह संबंध गुणांक

प्रस्तुत शोध के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या

प्रस्तुत शोध "माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का उनकी व्यवसायिक रूचि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन" से प्राप्त साक्ष्यों का विश्लेषण व्याख्या इस प्रकार है-

1.क्षेत्र- प्रस्तुत अध्ययन जयपुर जिले के माध्यमिक स्तरीय सरकारी और गैर सरकारी विद्यालयों तक सीमित रखा गया है।

2.स्तर

3.विद्यार्थी

न्यायदर्श

प्रस्तुत शोध में जयपुर जिले के जो सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों को शामिल किया गया शोधकर्ताओं ने अध्ययन में माध्यमिक स्तर के कक्षा 9 व 10 के कुल 120 विद्यार्थियों को सम्मिलित किया जिनमें 60 सरकारी विद्यालयों के 60 गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थी हैं इनमें 60 छात्राएं में 60 छात्र शामिल हैं।

प्रस्तुत शोध में प्रयुक्त उपकरण

प्रस्तुत शोध में निम्नलिखित उपकरणों का प्रयोग किया गया है-

1.पारिवारिक वातावरण मापनी

2. व्यावसायिक रूचि मापनी

संख्या 1

सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का उनकी व्यावसायिक रूचि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन।

https://doi.org/10.47997/sdes-ijir/3.2.2022.443-446

संख्या 2

गैर सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का उनकी व्यवसायिक ऊंची पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन।

संख्या 3

सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की व्यावसायिक रूचि की लिंग भेद के आधार पर तुलना।

समूह	संख्या(N)	मध्मान(M)	प्रमाप विचलन(S.D.)	टी- मूल्य(t)	सार्थकता स्तर
छात्र	30	63.46	2.54	1.60	स्वीकृत
छात्राएं	30	62.8	2.53		

संख्या 4

गैर सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की व्यावसायिक रूचि की लिंग भेद के आधार पर तुलना।

समूह	संख्या(N)	मध्मान(M)	प्रमाप विचलन(S.D.)	टी- मूल्य(t)	सार्थकता स्तर
छात्र	30	64	2.60	1.67	स्वीकृत
छात्राएं	30	63.33	2.41		

संख्या 5

सरकारी व गैर सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की व्यावसायिक रूचि की तुलना।

समूह	संख्या(N)	मध्मान(M)	प्रमाप विचलन(S.D.)	टी- मूल्य(t)	सार्थकता स्तर
सरकारी	60	63.13	2.57	-1.89	स्वीकृत
गैर सरकारी	60	63.66	2.53		

भावी शोध हेतु सुझाव

शोधकर्ती द्वारा अध्ययन करते समय कुछ पहलू अध्ययन से वंचित रह जाते हैं जिन्हें यदि शोधकर्ती द्वारा अपने शोध में सुझाव के रूप में प्रस्तुत कर दिया जाए तो भावी अनुसंधान कार्य के लिए एक मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है प्रस्तुत अध्ययन के पश्चात निम्नलिखित सुझाव सामने आए हैं जिन्हें आगामी अध्ययन हेतु सम्मिलित किया जा सकता है-

- **उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण एवं व्यवसायिक रूचि का अध्ययन किया जा सकता है**
- **उच्च प्राथमिक व उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की व्यवसायिक रूचि का अध्ययन किया जा सकता है।**
- **ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों की व्यावसायिक रुचि का अध्ययन किया जा सकता है।**
- **व्यावसायिक रुचि का अन्य कारकों जैसे सृजनात्मकता, व्यक्तित्व, सामाजिक-आर्थिक स्तर आदि से संबंध का अध्ययन किया जा सकता है।**

https://doi.org/10.47997/sdes-ijir/3.2.2022.443-446

- भारतीय एक विदेशी छात्रों की व्यवसायिक रूचि का अध्ययन किया जा सकता है।
- व्यवसायिक रूचि का व्यवसाय चयन से संबंध का अध्ययन किया जा सकता है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1 न्यू टैक्स, नील कमल प्रकाशन, वॉल्यूम 8, नबंर 2,अक्टूबर, नई दिल्ली, 2008
2 अहलूवालिया,एसपी मैन्युअल फॉर टीचर इन्वेंटरी नेशनल साइकोलॉजिकल कॉरपोरेशन, आगरा, 1987
3 ई डब्ल्यू सपॉल सम रिसोर्ट इन टू रिसर्च जर्नल ऑफ़ अप्लाइड सोशियोलॉजी,-9
4 अग्निहोत्री रविंद्र, आधुनिक भारतीय शिक्षा समाधान राष्ट्रीय ग्रंथ अकादमी, 1987
5 अग्रवाल जे सी, शैक्षिक विचार, एरिया बुक डिपो, नई दिल्ली, 1967
6 एल्पोर्ट जी डब्ल्यू, हैंडबुक ऑफ़ साइकोलॉजी, वॉल्यूम -2, कला यूनिवर्सिटी प्रेस, 1935
7 भटनागर ए बी, मनोविज्ञान में मापन एवं मूल्यांकन, सूर्या पब्लिकेशंस, मेरठ, 03
8 बेस्ट एच एच,शिक्षा सिद्धांत, इंडियन होम यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, 1973
9 बेस्ट एच एस, शिक्षा की रूपरेखा, आशीष पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 03
10 बस एस एच एवं अहलूवालिया, एसपी शैक्षिक व्यवस्थापन, मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकैडमी भोपाल, 1988